MSS. 361

नाम माला (6)

No 6

नाममाला; नन्ददासकृत; नन्दकिशोर द्वारा १८१८ वि० लि०
१३ पत्रक॥ ल० अ० २५ पं० प्र० पृ०

ह० लि०

राजाराम

माघ १ 361 माघ १

नाममाला

[illegible] عدد
[illegible] ده زنجير
[illegible]
۱۵ / ۰

[illegible] ديوان
[illegible] عه
[illegible] بندكلهامى
[illegible]
[illegible]
۱۸ /

باقى

باقى سه
۱ /

تحويل مهر كرد — حواله ديوان مهر [illegible] جهت [illegible]

باقى عه — براى قطعات [illegible]
۱ /
ده عه

[illegible]
[illegible] مهر كرد

در وجه [illegible]

منشی [illegible]

[illegible]

در وجه [illegible]

[illegible]

بردر پتو چودری ... مقیم
عا
۱۲ /

ع
...

قند سیاه ... انگار
۸ /

بردر حضرت ... اشتیک
برادر سیری دیوان جو
عہ
۸ /

بردر حضرت ... شی
ہلیار
عہ /

بردو ... رود
عہ

بردر حضرت ... نوشی
عا
۸ / ۱۱

ہلیار
عہ
۳ /

سا ملکر
عہ

در وجه خوید ... مقیم
دکوند و اپتی
۸ /

بابت ... کنه
کرایه اپتی
۴ / ۱

در وجه خرید ... ملکی
بافد دیوار
۱۵ /

در وجه کرایه ظرو دار
آمده از اسر
۱۱ /
عہ

بابت ... در کر
ازو
عارا ... عدد
عہ
۳ / ۱۱

گنگ خرید ... کرکہ
از سری ... برای ... سامان کر
عا

در وجه مرف امرادی
بابتی سالانه ... ۹
ع

در وجه ... مکلہ
جرادہ ... بہادر
...

فصلی ... منده ...
... ۳

بابت ... ساماه

۴ /

در وجه خرید فصلی ...
برای ... مندد لنگر
۸ /

بابت برای ... جلد
ازو ... درع
۹ /

در وجه خرید ... از
[illegible]

در وجه ... ... بابت
خرید ... ... جالواد
... دوار
عہ

در وجه ... ارض ...
برای ارشاد ... ۹ ... مندد کل

در وجه ... ... کرکہ
اسم ... ساز ...
... نو فرد
...

ओम

A. no. 361

श्रीगणेशायनमः॥ श्रीमद्रामचंद्राय॥ श्रीहनुमतेनमः

अथनाममालानंददासकृतलिख्यते॥ दोहा॥ तंन

मामिपरपरमगुरुकृष्णकमलदलनैन॥ जगकारणक

रुणारवनगोकुलजिनकोऐन॥१॥ उचरिसकतनहसे

सकृतजान्योचाहतनाम॥ तिनलगनंददासमतियथार

चितनामकीदांम॥२॥ गुंथननानानामकोअमरकोस

केभाइ॥ मानवतीकेनामपरमिलदअर्थसमआइ॥ ३॥ ह

रिहरदेनाम॰॥ वंछहरिदेउरप्रियाकेउपजपरतअभमान॥

ताकीछविकेछोभहीताकोकहीअतमान॥४॥ १०॥

मान॰॥ अहंकारमददर्पपुनगरवसमयअभमान॥ मान

राधकांकुवरकोसवकहकरतवखान॥५॥ सखीना॰

विसासापीचीसखीहितसहचरीआहि॥ अलीकुवर

नंदलालकीचलीमनावनताहि॥६॥ बुद्धि॰॥ बुधमनी

षासेमुषीमेधाधिषणाधीम॥ मनसोमताकरचली

मलीविचषनतीय॥७॥ नाम॰॥ वानीवाकसरस्वती

इरासारदानाम॥ चलीमनावनभारथीवचनचातरीका

म॥८॥ हरीघं॰॥ अरसटतदुततत्तरणलघुछिप्रसत्वरउ

ताल॥ तुरतचलीचातरअलीआतरहियनंदलाल॰

घर॰॥ सदनसदममंकेतगृह आलयनिलयनिकेत॥

भवनअगपवठाभानकेगईसखीपरहेत॥१०॥ सोनानामः

ओ

[margin addition, written sideways:]
॥ [illegible] अस्ततरतसहसाउटतत्वरणाउतिसोर
[illegible] सत्वर [illegible] लघुरे वेगसहोइ॥
बानवेगतेवरमसरम अवलेहैउताल॥ चपलचली
चातरअली आतुरहि[illegible] नंदलाल॥ ८

१ 5

केचनअरजुनकोंतसुरहेमहिरणसुभवरण ।। अष्टापद
हाटकउरटसतकुंभजांबनदसुवरण ।। ११ ।। जातरूपकलधौ
तहरचमीकरतपनीय ।। रुकममहेंद्ररोपनकनकमहार
जतरमनीय ।। १२ ।। कुंदनकीविस्मीतिजहुमा [illegible]
विद्या ।। [illegible] रहिकुबलुकलेन ।। १३ ।।
रूपानाम ।। सुभवरजतदुरवरनपुनजातरूपबहूर ।। रूपैकी
गोसारतिहभूपभवनतेदूर ।। १४ ।। उन्नालंलकलंलष्म
पोमिंदूरविसदस्वारजननहितस्रवदोत ।। नवलधुवलउ
चेस्वटाकरतघटाहोवात ।। १५ ।। सोभानाम ।। भास्त्राभासो
भासुभासुषमापरमाकांत ।। द्युतनपरतकसुभवनकी
सरभूलतनदिषभांत ।। १६ ।। किरणनाम ।। अंसुसगभस्ती
मिउषकरगोमरीचवसजोत ।। रसमपरससुमेंरकीज
गमगजगमगजोत ।। १७ ।। मयूरनाम ।। नीलकंठकेकीवि
रहिसिषीसिषंडीहोइ ।। शिवसुतवाहनअरहभषीसुपु
रकलापीसोइ ।। १८ ।। ना [illegible] चंद्रयातहि
मेर [illegible] नतनीरकंदनै
र० ।। १९ ।। सिंहनाम ।। कंठीरवहरकेसरीपुंडरीकपुष्टपंच ।।
मृगपतिद्विपीव्यघ्रपुनपंचाननपलभष्ठ ।। २० ।। सिं
[illegible] कीसरचरपडुचीजाय ।। स्पतसंघट
तटभटनकोठाऔरसीलजाय ।। २१ ।। राम राम ।।

अस्वना॰ वाजीवाहु तुरंगहै सैंधव अरव ठिकियान
तरल तुरंग सभीर अरु तनै कनपैये जान ॥२२॥ हाथी॰
हसती दंती दुरिद द्विप पदमी वारण व्याल कुंजर
इभ कुंभी करीतरु वैरी सुंडाल ॥२३॥ सिंधुर अनेक
प नाग हरगज सामज मातंग ॥ इतरा द्वद प्रमंतचर
रंगतनानारंग ॥२४॥ अष्टसिध॰ ॥ अणमा मा महमा
गरिमा तालघमा प्रापत कामा ॥ वसीकरण अरु ईस
ता अष्टसिध के नाम ॥२५॥ ऐं जु अष्टसिध कष्ट क
र सिध लहत तेसाय ॥ ते वृषभान भुपाल के द्वार
बुहारन हार ॥२६॥ नवनिध॰ ॥ महापदम अरु पद
म पुन कछप मकर मुकंद ॥ संख अरु अरख अरु नील
इकरवकहतहे केद ॥२७॥ एँ नवनिध या जगत मे का
हुवि रले दीठ ॥ ते पावल भरा इ के परत मिथ्यारन
मीठ ॥२८॥ मोछ॰ ॥ अरु तन मुकत केवल पुनि अपु पु
नरभव अपुवरग ॥ निश्रेयस निरवाण सुख मदा
सिधुवड स्वर्ग ॥२९॥ मुकत जु चार प्रकार की निग
काय तविन योग ॥ ते वृषभान की पौर जु कपाटन पा
वर लोग ॥३०॥ राजा ना ॥ स्वामी अधप प्रति द्विडी प्रभु
पति भूपति जिनृप ॥ राजसरु वृषभान जु वैठ सभा भ्र
नप ॥३१॥ इंद्रना॰ ॥ सक्र सतक्रित सचीपति सुकंद॰

2 b

नपुरहूत ॥ कोसकवासव व्रितहामघवा मा तलसुत ॥
३२ ॥ जिसनउंरदरवज्रधर आषंडलरिपुपाक ॥ सो
हैं गिदरषमा नतिरसको हैं दवराक ॥ ३३ ॥ देवता ॰
देव अमरिनिरजुरिविबुधसुरसभजमत्रिदवेस ॥
वृंदारकसुविमानगति अगिजिंघ अमरतेस ॥ ३४
दुरविआदहिरमुषकहैं गीरवाए अनउप ॥ को
नदेवतारकतहु जरवैठवनगेय ॥ ३५ ॥ अमृत ॰ ॥
सोमसुधापीयूसअमृत अगदराजसुरभोग ॥
अभीजहांकिनरकथ्यामतरहृतसबलोग ॥ ३६ ॥
सेवक ॰ ॥ विधकरिंकिंकरदासपुनअनुवरअन
गपदांत ॥ भितपिरजरमैनसेघवबवरगीनर
जात ॥ ३७ ॥ दासी ॰ ॥ दासीभित्याकिंकरीचेरीभरह
जंअंभ ॥ राजनमनमैअजरमै कोउर वसकोरंभ ॥
३८ ॥ अंतःकरण ॰ ॥ स्वांतहिरदयमनमुथपिताआ
त्मामानसानंउ ॥ मनमहसोचैसहचरीभीतरकिह
िधजाउ ॥ ३९ ॥ अंजन ॰ ॥ काजलकाजपातलमषी
नागदीपसुतहोइ ॥ लोकांजनगृगदेवलीनारि
नदेषैकोइ ॥ ४० ॥ हीरा ॥ निरकपटकऔवजुनहीरावनै
गुंजैन ॥ सकुचोजेननतनदेषजन भूपकवनकेनै
न ॥ ४१ ॥ मुकत ॰ ॥ नसिगोतिमोतीकुडलकजलज

2

सीयसुतनाम॥मुकतावंदनमालजनुविद्रुमसैंसंदधाम॥४२
मंगल॥०॥कुजअंगारकभौंमपुनिलोहितांगमहिबाल॥
मंगलसैंठाढौउदितघरैंजुद्धमंगलाल॥४३॥सुक्र॥०॥उ
सनाभार्गवकाव्यकव्यअसुरपरोहितहोइ॥गजमोती
जोतीजहांसुक्रधरेहैपोइ॥४४॥लछमी॥[illegible]
पद्मालयाकमलाचपलाहोइ॥सिंधुसुतारमाइंदि
राविष्नुवल्लभासोइ॥४५॥जोकीनेककटाछछवि
रहौसवैजगधार॥सोलछमीवृषभानघरआतव
सीहेआइ॥४६॥माता॥०॥अंबासावित्रीप्रसूजनइत्री
मातानाम॥जननीराधाकुवरकीवैठीमंगलधांम॥
नमस्कार॥वंदनअभवंदनप्रणतनमस्कारकरतासु
आगेचलीप्रसकलअलीजहांकुवरवरआइ॥४७॥सी
ढी॥अरोहनआरोहपुनिनिहसेनीसोपान॥मनमैसी
ढीचढसषीलषीनकाहूआन॥४९॥पुत्री॥०॥पुत्रीदुहि
ताकंनआतनातनज्याहोइ॥सुताजहांवृषभानकी
तहांगईसषीसोइ॥५०॥सज्या॥कसिपतलपसिहजा
सज्जासैनसमैसैनीआ॥दुगधफेनसमसेजपरवैठीति
यसनीआं॥५१॥ऊरधना॥ऊपरऊरधउतानतभव
न्यौवतान॥सआनैचंदचषटोकैरमनोउपर[illegible]
तान॥५२॥उसीसी॥उपवरहनउपधानपुनिकेरक

सतानाता

सोहइउघीर ॥ मिदुलउसैसीपी ठेवैठीमानगंभीर ॥५३॥
कुसम ०॥ सुमनकुसमसुप्रसंनपुनिपद्वपकलपिता
नाम ॥ फूलगंधकरवरलीरघावसोधेलतवाम ॥५४॥
केस०॥ अलकसरोरुहविकरकचकुंतलकुटलसठ
र ॥ लटकौलललतलिलारपरचंदहुगईंदिदारु ॥५५॥
लिलार०॥ मसतकअलिकलिलारपरवेंदीवनीजराइ
जनुकभागमनभालतेवाद्दरभागटीआंइ ॥५६
नासिका ॥ घाणनासकाकुरनकगंधाग्राहकनाक ॥
नाकवासवेसरवनीहमदिदिखायोनाक ॥५७॥
वेनी०॥ वध्रसवेनीमीनस्रामतसाधातीनाम ॥ वेस
रसोउलझीजुडलखमानोवनधीकांम ॥५८॥ स्र
वन ॥ श्रुतश्रवसोत्रसवदग्रहीकानसुभीघंभीर०
जनुविवरूपकमलकलीफूलीमुखसरतीर ॥५९
अधर०॥ वाराततउसटिपुनिरदनछादअधरमधुर
रदभार ॥ जिनकोनामलियततवेकिउलखंदूरंजार
दसन०॥ रदनरसनद्विजरततरदाभमदमकतरंगाभी
ज ॥ नवनीरजमधिजनुजमेसीतलविजलवीज ॥६१
वक्र०॥ कुटिलवांकुसरईअसिततपुनिकुंचिंतमोहनठौ
र ॥ रिसरातेमुखकमलपरभ्रमतमनोचितवभौर०२२
भ्रकुटी०॥ तेज्ञभ्रकुभमारगकाभोरहभरीअजितदाघु ॥

भालतत्रभ्रिकुटीकुटलसौंहसतरिकरीभाल
लऊतकाकलकीतेतरकजैलीवालरसाला।

जनुशिवपरगिरसभरवहूरमैनचढायोचाप॥६३॥सिरना
उत्तमांगकरसीरशिरमोतीमांगलठार॥रदहद्युधाकर
उदतजनुसोहतचंदलिलार॥६४॥ठोडी०॥चिवक
चारुविचनीलकलयौराजतछबऐन॥मनहुरसी
लेआवकीपुहपरमेदीमैन॥६५॥बहसति०॥चिबत
लंबउजअंगरससरचारउप्रउहजीव॥विंथेजनुसस २
तरउदितवलीनमोरीग्रीव॥६६॥बदन०॥आननआ
स्रवदनलपनवंकत्रतुंडघाविभौन॥उबरबदिये
जातइमंदरपनउबपौन॥६७॥कर०॥हस्तवाहुउ
पानकरकवहहधरतकपोल॥वरआरविंदवधारजनु
सोवतइंदुआडोल॥६८॥ग्रीवा॥गलनलकंधरग्रीव
पुनकंठकपोतीकोन॥पीकलीकजरहउलमलातस
वघावकीनीओन॥६९॥उरोज॥उरजपयोधरकुच देवजन
स्तनउरअंडनघावअैन॥कंचनसंपुटस्तजपुजा ए
मैन॥७०॥राजीअवलीअलतरोमपेकरहमार॥
की जनुउततेइतजलमलैवरवेनीकीकाय॥७१॥किंक
नी०॥रसनाकांकिंकनीसत्रमेषलजाल॥घुंघुरूवलज
नुमदनअरहवांधीवंदनमाल॥७२॥नूपर०॥तुला
कोटमंजीरपुनिनूपरगतिकनपार॥झनकउठतज
नुमैनकीवीसासहजतभार॥७३॥अंबर०॥चोल

8

निचोल दुकूल पट अंसुक बासन चीर ॥ प्रियतन बासन्ह
४ [illegible] बसन मैं छिन छिन करत अधीर ॥७४॥ गृहपति तिरोहित
अंतरित गृह दुरद निलाय ॥ लोकी जन मैं लक मैं सक सखी
सखा दृष्टि सम हरि भाइ ॥७५॥ सक० ॥ कंत चिंचु सक की
रज व पंथन लागत पीय नाम ॥ कुकुनु करत सराव तन सर
कन अतघ व पावत वाम ॥७६॥ दरपन ॥ प्रिति विंबी आदर्श
स पुनि मुकर सुकर जो लेत ॥ पीअ मूरत नैनन निति
रूप अनि षडारति हचेत ॥७७॥ वीना० ॥ तंत्री वीना व
लकी वजर विपंची आदि ॥ जंत्र बजावत हरि चरीवर
जत तरजन तादि ॥७८॥ नागवली० ॥ मुखबासन तो बुल
हू जपांन सखी कर चादि ॥ भौ हू अमैं ठत विन तज न
चाप चढावत आदि ॥७९॥ समा ॥ सामज समै अनीह
वियअन मिष वेला काल ॥ वडी वेर लौं सखी यौं देखी
वाल रसाल ॥८०॥ पानी० ॥ अंबु कमल कीलाल ज
ल पय सुष करवन वारि ॥ अंम्रित अरन जीवन भवन
५ घनरस कसपीपारि ॥८१॥ मेघपुष पर्थिषु सरव सुष
केकवेध पुनि तोर ॥ उदकु पाय संवरि सलल आपु
कुपीट पुनि सोर ॥८२॥ पानी नैन पषारकै अंजन गा
तो की आ ॥ फाग भई मोअकी सखी निपट सेस क
तसि अ ॥८३॥ भय० ॥ साध्वस डर आतंक भयभी

तउधजपुनत्रास ॥ डरतीडरतीसहचरीगईकुवरकेपा
स ॥८४॥ चरन ॥ चरनचलनगतवेतपुनअंग्रघ्रीपादपद
पार ॥ पगवंदनकरकुवरकेठाठीसनमुखआर ॥८५॥ र
रदी ॥ पीतागौरीकोचनीरजनीपिंडानाम ॥ ररदरच
नामिलतज्योंत्योंतिरदिखमईभाम ॥८६॥ क्रोध ॥ का
मान्जन्यामरखरुदरोखमानतमेहोइ ॥ घ्रोभभरीती
यकौनिरखडरीसहचरीसोइ ॥८७॥ कुटल ॥ वक्रअकि
तकुंचतिकुटलटेढीभौंहनठौर ॥ आरनकमलपरपां
तजनुपेखसवारतभौर ॥८८॥ नायकावचनसेमना
चेमेअनामज्यांभद्रभवशिवसैंवकल्यान ॥ कतडेस
तकघुकुसलदेहघातकुवरसुजांन ॥८९॥ सखी
वचन ॥ सेहयाअरगोजउनत्तेमधामतचकामं ॥
अमीवरमहरिदरसतवजिनतेरवकाम ॥९०॥
युवती ॥ इसत्रीललनाअमतनीवामावनतानाम
अवलावालाअंगनाप्रमदाकोंताभाम ॥९१॥ तर
नीरमनीसुंदरीतन्वरीपुनसोइ ॥ तोसमतियतिह
लोकमेंरचीविरंचिनकोइ ॥९२॥ ब्रह्मा ॥ आतक
मलजविधधातपितधातासतधितसोइ ॥ द्रिष्टा
चतुराननधिखरगमिखरसस्वयंभवसोइ ॥९३॥ से
विरंचसतघवनकोजितीइतीजगमांऽ ॥ तुहिर
चिवरविधनिपुनतवइरोहैगईवांऽ ॥९४॥ सुं
दर ॥ सभगसमवेधुररुचिरकावुकमनकमनी
अ ॥ रमिरूपसलावन्यललामिमलाइसदरसनीअ ॥ ९५

५ ९ अरजन०॥ जिस्न धनंजै विजै नर फालगुन क्रीटी होइ॥
गुडाकेस गांडीवधर कारथ्य परधज सोइ॥९६॥ अर
जनु जिम धनुधर अब धति ह सम अवरन कौ आगि
मत ग्रेम अब धलविधरची अरन मनती आ॥९७॥०॥
युधिष्टर॥ धर्मतात सजात रिपु कोतेम कुरराव॥ निप
त युधिष्टर सम जियाते रोसो तन अभाव॥९८॥ गंगा॥ वि
स नपदी निरजुरनदी निगमनदी हर रूप॥ धूनंदा मेक
कीनी भागीरथी अनूप॥९९॥ सुरसरि जो इह लोक
मै पाप हारि सन कारि॥ तिमत व कौरत सरनतीय
थपुनीत नरनार॥१००॥ दीरघ०॥ मवल मा अपरि
ल णाहि विष्णु आइत इत विसाल॥ दीरघ स्वास जु लेत
वलको कारन हे वाल॥१०१॥ सरीर॥ काय कलेवर वपु
पव पुदेह आतमा अंग॥ विग्रह उपघन संघरत धाम
सरीर इते ग॥१०२॥ तंब तन सम सरकर गहि तकन
कअगनन रुपलेह॥ कोमल सरस सगे धनह कोकव
उपमा देह॥१०३॥ कमल॥ पुंडरीक पुहकर कामल जलज
अबज अंभोज॥ पंकज सारस तामरस॥ कवलय कंज
सरोज॥१०४॥ मकरंदो अरविंद पुन पद्म कुसेसय नाड॥
कोमुद नलन मलन कपुदे बत नौवलजा हु॥१०५॥
चंद्रमा०॥ इंदु सुधाधर कलानिध जीवांतिक ससोम॥
अवज अमीकर पगाकर विधु हिमकर हिमरोम॥
विधार चंड ते चंद्रका रिस्गिन न्यारी सोइ॥ इम अलो
कत वाल को कह वल कारन सोइ॥१०६॥
काम नाम०॥

५ मदनमनंगमथमनोभवपंचसरसमरमार ॥ मीनकेतचंद्रोप
९नदरपकविरहविदार ॥ १०८ ॥ पुहपचापमनसिजवित्त
नरुंवरदारनकाम ॥ रतिपतिसोजिमरुठरहतरमेरुषत
तंरहभाम ॥ १०९ ॥ मेघ० ॥ धाराधरजलधरजलदजगजी
वनजीमूत ॥ मंदरवालाहकतडतपतिकामकधूमसपूत ॥
११० ॥ घनविधुरीबिजुरीजसीरहत अनमनी होइ ॥ इमरे
घतदिनदुलसकोकहबलकारनकोइ ॥ १११ ॥ भ्रमर० ॥
मधुकरिभ्रमरदुरेयक अलिअलिनसिलीम्रिग ॥ चंचरी
करोलंवपुनिकीलालपसारंग ॥ ११२ ॥ मधुपमधुव्रत
मधुरसिकइंदइरमधुचोर ॥ भंवरविनाकेतकनकचु
केतकविनानभौर ॥ ११३ ॥ दामनी ॥ घनरुचघटअका
लकीतडतचंचलाहोय ॥ दामनविनानघनवनैघनविं
नविनवनैनसोय ॥ ११४ ॥ सैना ॥ पितनीधुजनीवाहनी
चमूवरूथनअनी ॥ सैनाविननपनवनैनृपविनवनै
नसैन ॥ ११५ ॥ धनुष ॥ धनुकुवंडइखवासपुनिकरमु
घइपनेताप ॥ चापविनानापतचकधुपनचविनान
रुचांप ॥ ११६ ॥ प्रिया ॥ इष्टादयितावलभाप्रियाप्रेम
सीहोय ॥ प्रीयकोतासौप्रियअतीऔरनदेषीकोइ
११७ ॥ मधुकर० ॥ मधुकरमधलिहमधुपअलअलिन
सिलीमुषभंग ॥ चंचरीकरोलंवहरकीलालपसारंग ॥ ष
टपदइंदीवरभ्रमरपुनदुरेयरसचोर ॥ भ्रमरविनानकेत
कीलिकधुकेतकविनानभोर ॥ ११८ ॥ लता० ॥ वितितीवि
रुधीवँलकीविसतीलतात्मतान ॥ अमरवेलजिमस

६ 10 विनइमटेषतनइमान॥११९॥मित्र॥सुहृदहैनवलभसषा
प्रीतमपरमसुजान॥पीयप्यारेसोजायमिलनकरअकार
यमान॥१२०॥पुत्र॥आत्मजतनअमरषपुनितनुज
तनुजयतात॥नंदकेनंदगुविंदसोनकरगरबकीबात॥
१२१॥मनुष॥मानुषमरतमनुषनरमानवमनुजप्र
मान॥नरजनजानेनंदकोहरईस्वरभगवान॥१२२॥जो
गेस्वर॥रिषभिषककतापसजनीतपीवतीमुनआदि॥
योगीनिरमलमनकीरतनितहीषोजततात॥१२३॥६.
वेद०॥आमानयाश्रुतवस्मृतमधर्मसल सवकोम॥आग
मनिगमजासोकहतसोईसुंदरस्यान॥१२४॥धर्मराज॥वैव
सतिपुनप्रेतपतसंजमनीपतिहोइ॥महषरध्वजतरं
३धरसमवरतीपुनसोर॥१२५॥अंतवकालक्रितांत
जेमजातेजगडरपात॥सोतरइपीरमअंगुअंगतेयरथ
रअमतिजेपात॥१२६॥कुवेर॥पुनजनेस्वरवैसवनयरद
तोलविलदोर॥उडदवेपतत्रिववकलवाराजराजपुनसो
२॥१२७॥नरवाहनकिन्नरअधिपधनदकोधिपकुवेर॥
हरपदपंकजपरसकरूपावतनाहनवेर॥१२८॥सेस
नीग॥सेषमहाअहिइसरयपतिधरनीधरनअनंत॥
सहसवदनकरगुनगुननतरयनपावतअंस॥१२९
वरन॥वरनसेवेताधामपतजलपतिजलचरईस॥
सोपुनिनैरइपीयपगानवरधरनरहनजनिनसीस॥१३०
जनम॥मवउरमवउदरअंजननिजनउमपतहैभाम॥
जनमहपलनवदीनवेमजीयेसुंदरस्याम॥१३१॥

धंन॥ रत्नविवसुवित्तसंपदाराइअरथसठओक॥ धनजे
तोरत्ननंदकेतितोनतीनोलोक॥ १२२॥ मनोहर॥ मंजुल
मंजु ...नोगमधुमधुररुचिरसुकमार॥ ललतउदारसु
नेदकोसबरत्नकोआधार॥ १२३॥ दुरगा॥ उमाउपनाई
श्वरीगवरीगिरजाहोइ॥ अंबिकाचंडकाभवंकांभवाभ
वानीसोइ॥ मांइआजिहआधीनजगइहसतारनंदेभा
म॥ १२४॥ गनेस॥ लंबोदरदेरेवपुनदुयमातलरकदेत
मुखकवाहनगजवदनगणपगिरिजानंद॥ १२५॥ को
टवनाररकजोलिखैमहलैकागरकोट॥ तोपैतेरपीयकेउ
नरहनआवनटोट॥ १२६॥ नायकावैचनथरकेना वाजीगि
रनकुरलकनेवघदमीकुरकघालीज॥ कपरीकीरन
कोवरकीकेतीकसतमलीज॥ १२७॥ सठीवचनकुरंग
राहररणवाववपरखटहरिमारंगपुनआरू॥ भिंग
पाप सिसवेसेद्रिगलीरवलप्योरेरतनरारू॥ १२८॥ रनव
नरद्रुक्रितदुरतिअधकैटुअनेक॥ किलविष
कल्मखकलुषपुनकरमसुवाललिकलेक॥ १२९
पापवनावनदवनदवनाकोरेचंकनाम॥ नासोलक
पटीकरनकनाकसोतुरभीम॥ १४०॥ पखान॥ ग्राव
आदिपसतउपलपुनपखानअनतभार॥ पाघरपा
नीपरतेरजाकेनामअधार॥ १४१॥ वेडीनाम०१

१ ॥

उडसपोतनोकापल्लव तरवरि तजलजात॥ नानानामव

छनवडंदधकेतेतरेअजात॥१४२॥ अमोरानिसकातककोन

पुनरुधिरअग्निनघातजात॥ लोहूपीवतरतनारुतमई

छैजात॥१४३॥ राक्षस॥ कौनपअक्षियपुनजनकौव

आकाहतदुरबाव॥ करबरअसरनिसाचरजातधान

क्रमवाद॥१४४॥ स्वैघसेराकसपापकीमैदेखीगतहो

त॥ उलटसमानोपीयमैपरगटजाकीजोत॥१४५॥ धर्र

धूरस्तसरीक्षेद्ररजपासतकराभेद॥ जापरपेकजेर

कोवायछदसनकसनेद॥१४६॥ महारुद्र॥ गंगाधरहरस

लधरसनिधरसेकरवाम॥ तरपसेभुशिवभीमभव

भरगकामरिपुनाम॥१४७॥ त्रिनयनत्रिंबकत्रिपुरअर

ईसउमापतिहोर॥ जटीपिनाकीधूरजटीनीलकंठ

मिडसोर॥१४८॥ महादेवसेदेववलजाकोचपलधां

न॥ तासोत्तकपटीकरतंयरख्याकवनस्यान॥१४९

सूर्य॥ देवदिवाकरविभाकरदिनकरभासकरहं

स॥ मिहरतिमरहरजोतधरसाडरतनिगमंस॥१५०

विधनविरोचनविभावसुनमारदेडतपअंग॥ अंर्क

वरिमनरिनमनतरुनिसवतातरपतिग॥१५१॥

पुनी रविमंडलमंडनजकोकहतेंजनतारु॥ सोयरनाग

रनेदकोकिडवलकपटीअकार॥१५२॥ मिथ्या॥

मेघानस आमिष्यास्तन तहित थन्नलीकनिरध॥ औरसेपी
घसोसठवलकिउ वोलीऔविरथं॥१५३॥ नायकावचन वेश्या
दासीदारीलन्नकाघलापुसलीहोर। रूपाजीवकामती
पंनजोघतासोर॥१५४॥वारवधूजगवल्लभाकरसतंस
भलीतादू॥तुघसंभारवोलूनदीकोउ वेलाच्यारहू॥१५५
सषीवचनन्त्रिमतकेन॥निमितगातनकुवजन्नधमन
वचेअधसषीकोंन॥नीचेनारनडारवलनैककटेपासो
मान॥१५६॥निकट॥आतपरसनअनिदूरनटउपसमी
पअभास॥अवसनिरादरहोतहैरहेनिरंतरपास॥१५७
संर्थिना॥सूर्यदिवाकरविभाकरभासकरहंस॥मिहर
तिमरहरसहूसकरउसनरसमतिगमेस॥१५८॥विघ्न
विरोचनविभवसमारतंउअयचंग॥दिननगीहूंमरीमली
तरुनसविताअरपतंग॥१५९॥चित्रभानुविरदभान
पुनविवस्वानभामान॥अंसमालहरभानुरविअंवरम
णीभगवान॥१६०॥रविमंडलसमगतकोंकहितर
रषघुरान॥सोवहनंदकिसोरवालिवेपाकीनेअपमान॥
१६१॥चंदन॥गंधसारश्रीषंडहरमलयजभद्रपटीर॥तिं
वनकोचंदनकरतमलपवासीभीर॥१६२॥मीन॥सफरी
झनमछमतसपतविघुरोमापाठीन॥मकरउलूपी
अंडभववेष्टावनजझमीन॥१६३॥ पीरसमुद्रके

८ 12 मीनज्ञिमरहूतचेरद्विगअहि ॥ चेरहमेरनज्ञानहीजल
चरमामतताह ॥ १६४ ॥ समुद्र ॥ सिंधुसरतपतिसलिलप
तअंभोनिधकूपार ॥ रत्नावानअरनवउदधकुस्तम
अंभअपार ॥ १६५ ॥ रत्नाकरउनरूपकोहेदरक्षिरध
रपीय ॥ तिहमिलप्रेमकलोलीयोनवोलीयेतोय ॥ १६६
मरकट ॥ कपसाश्रंमिगवलीमुखकीसेप्लवंगहर
वानरकरवरनारीअरह्योविधाताकर ॥ १६७ ॥ ना
यकावचनवलमद्रकेनाम ॥ रोहणेयवलभद्रवलसंक
रखणवलराम ॥ नीलांवररेवतीरमणरामुसलीपाल
ककोम ॥ १६८ ॥ अरुचकनोचुपकोरेहतवैठीजीडलेत
हरिहलधरकेवीरकोतीवडाईदेन ॥ १६९ ॥ पृथीवच
रपिर्वीना ॥ धवीक्षितपुहपीपुमाधरनीधात्रीगि
र ॥ उरवीजगतीवसमतीवसुधासरवसहार ॥ १७० ॥ अ
चलाविपुरीसागराधरालोवराहोर ॥ गोत्रीअवनी
कुंभनीमहीमेदनीसोर ॥ १७१ ॥ विसंभरावसुधरापुन
वीराकासखीअहि ॥ रसानेतांभुइलोविलाकरतउ
नताहि ॥ १७२ ॥ सबधरजिनरकसीसपरतोहतिजिम
करहीर ॥ किउआवेतहअंबुपरताहरधरकोवीर ॥
१७३ ॥ वाण ॥ तोमरखगजिनगअसगविसिखकिली
मुखवान ॥ कनमारगननराचवररूपपत्रीसोबनमान ॥ १७४

सारकथारूपिरायपुंजनमिटसरीरमिलाइ॥वचनतीखकी
पीरखलमिटेनजोजुगजाइ॥१७५॥वैसंतुर॥धावकंवर्द्दह
नरलनौंनिधिधनंजयहोर॥सकुउभरिवुधवारसख
पौनसौंपुनसोइ॥१७६॥जलवेदनलजोनहरखिवभान
दिहभान॥अनलउतासनविंऊवसूनिरजरजीभक्रि
सान॥१७७॥अगनदगधजेद्रुमलताफिरफलफूलन
देत॥वचनदगधजेजीववलवहुरनअंकुरलेत॥१७८
॥रख॥मृगधमेदजडमूकनडअग्रवकदुकवदसेंब॥
मूरखनरजानेकहाकपजैसेमरेख॥१७९॥पंडित॥
क्रितीकुशलकोविदनिपुननिपुणप्रवीननिसतात॥प
डितप्रगथनागरउकोजानैरसकीवात॥१८०॥मधा
न॥अघअगनसरलनअरिदितनअवउनजोहोपीय॥
कृपथगोरहजिमराधीयेपौनभाधीरतीय॥१८१॥मीत॥
दोरहहारहितनेहहितमनयरागअनुराग॥कितपोते
रोप्रेमवहरभागतवडभाग॥१८२॥परवतन॥अगन
गनगिरितहरीशिंगीसिखरीहोर॥तैलहलोचैगोत्र
हरिअचलअद्रुपुनिसोर॥१८३॥गिरगोधनज
ववामकरधरयोसामअभिराम॥तवउरतेनवध
कधकीअवलौंमिटीनभाम॥१८४॥भुजंग॥पंनग
नागभुजंगउरगजिहनगोसभोगीतरप॥चखश्रवा

वाद्दरसरीसरलकाकोदरगरदरयो॥१८५॥ आसीविष

४ १३ विषधरफनीमनी विलेसय व्याल॥ चक्रदरवी गूढपा

दैलद्देववलकाल॥१८६॥ कालीअहंगंजनसमैमैरा

धीगहवेद॥ नंदनंदनपीयप्रेमग्रहितपरतऊतीरद

माह॥१८७॥ पीडा॥ व्याधाविधुराविथातज पीडाआ

रतगीलान॥ अवजनुपरसतपीरवलकितसीपि

यरवान॥१८८॥ वन॥ काननविपुनअरंनवनग

हनकपुकातार॥ आटवीमैअकेलेदईमोहनं

दकुमार॥१८९॥ कपोल०॥ गंडकपोलसगाहतेकर

हातोकरतीय॥ सामसचंदनामवतालकोदिवसक

समहीय॥१९०॥ राहु०॥ सिंहकीयसुआनतमराहु

विधुंतकीभाय॥ वचनचेद्दप्रेममनोपराउरहेसोडि

२नुम गआय॥१९१॥ असुर०॥ दानव[illegible]जनुदैत्यपुन

सररिपुनिपटअसेत॥ मायामपीरैनादिनडोलतअ

सरअनंत॥१९२॥ संध्या०॥ संध्यानिसमुखपितृ

पसतायकालमदोष॥ ताऊपरीहैद्देचोलअंलेघा

रकिआकरदोष॥१९३॥ विष०॥ गरलहलाहलगा

रअमितकालकूटरसमार॥ रसमैविषजिनघोर

वलवलअवनकरविचार॥१९४॥ पांडीर॥ का

लंकदानदकरिवीरकसारंग नाउ॥ घनसिंदूर

ढैपपीहूरानहूनवनैवलजाउ॥१९५॥रजनी०॥घरणदा
घघातमस्त्वनीतमीतमस्वाहोर॥निसरूरवरीछिआव
सीराअजामनीसोर॥१९६॥हुछदसहारिस्रदकीस
भगनिजामनजान॥चलवलमोहनलालपैछिडलैपि
रतनन॥१९७॥अकास०॥अंबरपुहकरनभविंअभ
अंतरिछघनवास॥व्योमअनंतविआहसीषंर
रवतआकास॥१९८॥गगननहुडगनवषुवैहूतन
कघहोकुरहोष॥देषंततेरोरूपवलसहरतरकीजेत
ष॥१९९॥नष०॥कररजपुनरमदनपरनषहैरंगभी
नीभांम॥कवब्रीछितरहुउषनवलनरहुकथुनहूसे
काम॥२००॥संग्राम०॥आरोधनरनआजमिषआवे
सेषंतपीक॥संवरायसेगरसमरमंजुगकलहअनीक॥
सरतयुधजवपीयसोतोसवसैगेभांम॥नषनांचनदि
नकौवरकरोकहासंग्राम॥२०२॥हुधाम॥तुछअलप
लवसबतनुकनिपटकिसोररओर॥किहूवसगतो
मानसचराछिडहैविरुडेर॥२०३॥मकरी०॥लूतास
आमरव[illegible]रीडूरनर्नभपुनहुोर॥जननकहुमकरी
गरकरीपकरीविदिआलोइ॥२०४॥सारंग॥वरनमआद
आमरतणवघसैंचरपरवीराहू॥मगदेषतहैंरद
मोहननैरकुमार॥२०५॥भिक्षा०॥मधारद्याकिरपा

१०
१५

छिराण अनलके पाश्वनु कोह ॥ करुनाकर करननि धेरा धन्नि
नवरसोह ॥ २०६ ॥ षड्ग ॥ रिष्टक षेय क्रिपान असि
उलागैकरवाल ॥ कागजे तोन तलो कहा पाँइ करन कहे
वाल ॥ २०७ ॥ दिसा ॥ कैंकास्ता ककुभा दिसा गोचर्म सार
हू ठेई ॥ चितवत हूँ है पीय मगी जिउ सन्नि उदै चकोर ॥ २०८
नदी ॥ सरता धुमी तरंगनी तटनी कूलदनी होर ॥ स्रो
ता स्रुवन्ती निम्नगा नापगा वर कै सोर ॥ २०९ ॥ सैलावती
सनलनी दीपता जलमाल ॥ नदीन सन कोउ वाट से
सो चकहा दै वाल ॥ २१० ॥ छोटभाई ॥ अनुज अवरज स
लाम सोर जवष्ट कनिष्ट कनीय ॥ लघु भैया की सोहर
करि हूवल्लकात महोय ॥ २११ ॥ पिता ॥ तात जनक सु वि
ता पिता बाबा तो गुमान ॥ सुखि पर लेन रन दे कोट
नर तो हे भाम ॥ २१२ ॥ विवाह ॥ परबू निमे वे सरभवत
उपहू विहनि विवाह ॥ सो तन भई जु भयो नर नदु वीच छी
उह नाह ॥ २१३ ॥ नायका वचन ॥ मदरा ॥ मधु माध्वी मद
रा मै होर ॥ २१४ ॥ सिंधु मम नाकुध हा हाला सिंधु मम
तमरपी रजिउ वकत हो कहा ब्रक लै हे हुत ॥ २१५ ॥ तम
वचन सुभाव ॥ मत्रि तनि सरंग सह जि अम निज वित्त
तसी लह भाव ॥ कवन टेढी परत निसं दरस कत सकहा

२७

क

अंधकार०॥ अंधतिमरअम्बनकेबीतमध्योतकुहूरजनीहार।
होतेरैनिरछ्याकवरसैमनतेलअंधार॥२१७॥ विरह०॥ सा
खीविटपीअनोकुरूकुजद्रुमपादपसोर॥ पत्रीटलीफली
वरहविरछमहीरुहसोर॥२१८॥ केलपतरैतेरैतलपकव ३१
केविलपंतपीत्म॥ हदपतनैकदयावरहेउपजतनिरदैजी २.
य॥२१९॥ पवन०॥ पवनपरनदलवरसरफरदछरवातजवतपा
त॥ तवआगमपैअमचौकपीय३४३४३सतौजात॥२२०॥
पवन०॥ स्वासनसरगतमरुतमरुमारुतजगतपरान॥ अ
नलप्रभंजननंगंधवहतमहावलीपवमान॥२२२॥ तवतन
फरसलपरसजवगमनतधीरसमीर॥ ताकंहुवहसतसा
नकरपरभंजवलधीर॥२२४॥ धुनि०॥ नादनिनदनिसनस
वरसुरछमुरघरुतरांव॥ वैवसीमेकरतपीयरमानेरा
आव॥२२५॥ आपा०॥ वयआटेसनिटेसपुनिआपा
सेसनिधेग॥ आहसहैप्रवजाउपिरलहोपीयाकेलो
ग॥२२६॥ अंत०॥ द्विसअंतसैअलवेलअंतलअंथकअं
तेतनिंतत॥ अवसरवरमसीनरहनकरवेसैतअंशत॥२२७
समन०॥ निकरप्रवारनकुंववजपुराजचवलवरू॥ कं
दलकलापकलापकुलनिवरनमे[illegible]वयसंकुल॥२२८
वअम्नेतवकदवगनगोमतोमवहृहिंद मेअनेकना
तैवहीमर्दनेवकीवुर॥२२९॥ पोर०॥ दरतनेकदिपदअ
लपरेचककमेदमनाक॥ तवपीअसरचरतनहितेमस
कीकुवरतनाक॥२३०॥ रूप०॥ करनविधुरअकरनतदा
रनरिजनपुतन्यार॥ ३ छजिनदैअवजानदेजिनवेठी
हतदाह॥२३१॥ नायकावचन॥ अध्याय॥ नितनसीव
कौमहानिसहोनलगीअपरात॥ कौनवलैवलसार

११ रूठ्यौ जैंउठ परभात ॥२२२॥ सखीवचन॰ वज्र ॥ आसनिकुलसनिर
15 घातपव वज्रसीतरीनाह ॥ परोहुरे केशीसपविरसकेरसम
द ॥२२३॥ लज्जा॰ ॥ दरी लज्जाव्रीडात्रिपासकुचैनर्करथिनय
ज ॥ चलवलप्यारे पीयपै ओघटबा न विलाज ॥२२४॥ चरन
धरनी केना ॥ पादआनसउपानहूं पादपीठमिंदु पाद ॥ मनहीं
पनहीं पावतीं आजे धरी वनाइ ॥२२५॥ अटा॰ ॥ सोधा हरम
सुमसादतेचलीसुत्रियगतमेंद ॥ होभतसषजनगगनते
अवनीउतरतचंद ॥२२६॥ मकरचांदनी ॥ ज्योत्स्नाहा
जीकौमदीवडरचंद्रकानाम ॥ जौनजुपरसतवदनतेघोर
हसवलजाउं ॥२२७॥ वीथी॰ ॥ परमेंमतोलीवीथकाकर
तहैनाह ॥ हुविथीचलजाइवलनिपटनिकवीआह ८
२२८ ॥ उपवन॰ ॥ क्रितमवनउद्यानपुनउपवनसोहिआ
राम ॥ हुविंदावनवागतवदिखवलपावकोधाम ॥२२९
वेहत॰ ॥ कुसमाकरगिरराजपुनिमाधवदरुमवसंत ॥
मालीजिमसुगवतहरदायातेंअथवातेत ॥२४०॥ खग॰
जहं सकुतीपंषीसकुनअंडजविरहविहंग ॥ विआग
पतंत्रीवत्तरथपत्रीमभागपतंग ॥२४१॥ कटत [illegible]गम 32
[illegible]मनसौ [illegible] लवेठसजात ॥ तमआगनअनेरजन
[illegible]त ॥२४२॥ पीपल ॥ चलिदलिपीव
लगजअस्नलबोधविघअश्वथ ॥ पीपलनैवलद
हलोज्योरहाघवरमेंघ ॥२४३॥ गूलर ॥ पालीपरल
लफल[illegible]बांम श्यामानाम ॥ अंबुवसामधुदूतयदपा
उरकरन[illegible]मनाम ॥२४४॥ अंव॰ ॥ विकवलमकांगउ
नमदरासयमदकार ॥ परसालकीमालवलनैउ
दहीफलभार ॥२४५॥ वेप॰ ॥ वेपपचेपवासुरभकी

ईमपड्डपलकमार॥ यद्दचेपापापरतवललीरपड्डपपरहार॥
२४६॥ मद्दवा॥ माधवमधुद्रुममधुस्रवामधुस्त्रीवग्उड्डलल
रामधूकवेड्डपवलकाघ्रुतवरीडनतूल॥२४७॥ दारम०॥
रकतबीजंहालककरवेलकपीयकूटमदागि॥ रादारम
रतेदबवलकाघुतवदरहनकार॥२४८॥ कंदली॥ रेभा
मोचकाजवुहांभानफलकंलकुमार॥ कदली जिन भैकघु
कयततवरूपकडनहार॥२४९॥ तिलके०॥ मदरमंहलबी
हदाफलंताालंविलमालरि॥ एभ्रीफलतवकुचनहमक
हतवड्डतकवकूर॥२५०॥ तमाल०॥ कालकंधंतापिच्छ
डुनतंतरुकस्तिवुतजतमाल॥ वेठेदेजिदकालवलतुमम्भर
मोहनलाल॥२५१॥ कदम०॥ तुलगंनीपपीपकेम्बोम
दरगिधलबादृ॥ पदकेदवबलकानजोचदकूदेरमाद्
२५२॥ किंसक०॥ वाघपोघपुनिंवसद्रुमरिक्षबस्पलास· वरन
विरहीजनकोलालंरोनारदबोदविलासं॥२५३॥ वहेडा०॥ बलं
ऊषविभीतककाकारबफलसंवरतकेंचिट॥ मतागास
वदेरतहैजिनवलमिगरहैं॥२५४॥ नालेयर०॥ ढाल
रमुबलागलपुननारएरहम कोमं॥ रानारीएनारम्र
रवलतहकरतप्रनांम॥२५५॥ सुपारी०॥ छोटीक्रमक
गवाकपुनंक्रमहपारीम्भाद्॥ वारीवारीकहनबल
देचकराहलनचाद्॥२५६॥ कोवना०॥ ढोलबुलंकोंवल क
कालाविसरंप्रियसीनाडु॥ कुंडकरनपदकेगमैकेप
नकपुंवलजाइ॥२५७॥ मिरचा· तिवालाडपमाकोमलां
त्रिलमपललपुननाडु॥ मरचवलतापापरकाहतमलीक
रीवलजांडु॥२५८॥ सूंठी०॥ विस्वानागरजगभिवक
महाम्भोबदीनाडु॥ यदसंठीकरजोरोगनपरोबलना

१२
16

पीपली०॥ कोला विख्या भोग धीतिग मनेडला होय॥ वैदेही
श्यामा करणा तठीक हीरसोय॥ ७ ।२६०॥ बलइ गीपीपलव
गगदैवकैवडत परकार॥ अवले रतिन वकरवु विरसी तम
मानक्याधार॥२६१॥ हरीतकी॥ अभयापथ्यास्यक था
अभ्रतचैतकी होय॥ कायस्थापुतिरतननाशिवाक्षेय
लेय हीयॅ॥२६२॥ परहरीतकीपॉपरतरतडरहकेरोग॥ तिमि
तगिरधरलालके वाल सकल सुख जोग॥२६३॥ मवाल
धात मुखरानटीनलीमपुनिकपोतें परवाल॥ ये विदुमया
सरवा कै है वल चलयरकाल॥२६४॥ दाख०॥ स्वादीदुर्कंप
धरसा कालमै ऋला होइ॥ गडा गपाता गोस्तनी चार
फलाप्डनसोर॥ मृद्वायरवलपापरैर वकयरतनचारू॥
ली नरनगउसीसे वालसी निपटरसीली च्याय॥२६५॥ केसर
काश्मीरो कुंकमरधरटेववल भानोउ॥ केसरहाभरकर
तनो हनेठाघ केवलजोउ॥२६७॥ गोरहके रनेपका॥ हरिरसीगराग
काजऋषिकारेमपुरुषपकाजाय॥ परजधीगरधीगडलत
ठाठीलतवुलाय॥२६८॥ मालती०॥ सुमनजाती नेत्र
काउतमगंधहोय॥ कैविष्णप्रियवासती राजपुसपका
सोय॥२६९॥ परमालतीवलपोपरेपरपडरहडेजास
कामुकनमनतवा हहोमिलतजानकीवास॥२७०॥
कुरनाम॥ मोगरीडंरपवगनेपेरसीवलपररनार॥ पा
ठालयनमैकपुरुव रसननकीच्यार॥२७१॥ गडेजाना
कावचिवकुविकिठनलागडाकरनमनाम॥ किसन
करनमुखकिसनहें पोतेअजितकामितनाम॥२७२॥ वेधक
वेधजीवकधकपुनिजपाकुसमतनपध॥ येहूतनवल
डपहरी मदरतेलमदछ॥२७३॥ केतकी०॥ तालबज

रीत्रिलाह्मा के तकी करत मधुराम ॥ स्पष्ट रुचि वरा जरकु
समतो हिनि रखदे भाम ॥ २७४ ॥ माधवीलता ॥ अलउ मव
अलि पुंवजतलो रमर माधवीनाउ ॥ इतवा सेती करत हरि
नैक घुनो वलजाउ ॥ २७५ ॥ संजीवनी ॥ जीवा जीवन मधु
अवा ले जाती पुननाउ ॥ यह संजीवनता उपरै नेहीलैं वल
जाउ ॥ २७६ ॥ लवंग ॥ देवकुसुम श्री सेगपु नवकुरजारकी
नाउ ॥ इति लवंग की वेल यह पोपरे वलजाउ ॥ २७७ ॥ इलाय
ची ॥ चंद्रैनि कोलपुनक रत त्रिकुटा वालनाउ ॥ इति इलार
ताठी विनतम्ख घनकरो वलजाउ ॥ २७८ ॥ तोरली ॥ तोर
लीअद्रि वलरी रिन्ना पानकेवेलि ॥ हरस भरे रस वरस
तेवलरेच वकम्खमेल ॥ २७९ ॥ मकरंद ॥ आसव मधु पुन
पुष्परस कुसुम सार मरंद ॥ रजित हिये तकली सवलले जा
ये अलि वृंद ॥ २८० ॥ वटनाउ ॥ जटी कपरदी रवातफल
वडूपद वटनिग्रोध ॥ इह वेसी वटनिकट द्वैयचलवलपि
यसनरोध ॥ २८१ ॥ सरोवर ॥ पद्माकर कासार सर सरसी ता
ल तडाग ॥ यह मानसर जोसरोज समफूल्यो तव अनुरा
ग ॥ २८२ ॥ कालिंदी ॥ रविजा जमभानुजा जमभगिनि नासा
मलअपाय ॥ यह जमुना जसमुद्र पिर अन्या वलतप
रताप ॥ २८३ ॥ तरंग ॥ भंग तरंग कलोल लहरी वीचीउरम
रुभार ॥ लहरि लाघपसार वलजमुना पर सतपार ॥
२८४ ॥ कूल पुलनउ पकेठतट निकट रोध अभ्यास गी
रतीर वलजाउ वलये अम्बारए पिय पास ॥ २८५ ॥ वेतस ना
वेजुलसी विदलरथी अभ्रपुसपवानी ॥ ये वेतसकेकुं
जेलखेलत वढ़ वलवीर ॥ २८६ ॥ केतकी ॥ जुगमकेउग
लजुगद्वै जनमिय नउभ य विववीय ॥ जुगल किसार

न्दावनानंद दास के हीय ॥२२७॥ इती नाम ॥ गौरि श्रीकंठ
१२ ४ कल्यागुरु गौरिप्रिय ज्योतिरूपाय ॥ मिले परसपर पिय प्रिया
17 परम प्रेम करभार ॥२२८॥ मालाना ॥ माला सिवकी जो गुन
वती पदरज नाम की दाम ॥ करदै जो नर कंठ धर सो दै है सुख
विश्राम ॥२२९॥ इति श्री नंददास कृते नाम माला संपूर्ण
दोहा ॥ लिख्या रहे हजार बर्ष जो न मिटावै कोई ॥ लिखने
हारे वपडे जल गल माटी होइ ॥ सवैया ॥ कौवकि दहसजा
वकहै मत मरकअरि सुगमान की लूटै ॥ देषत जात मसान
न वात रसा दिन रात तजा यम द्रुम रूठै ॥ केचत वात दुमा
लन सालयरैव सकाल न पावत हुठै ॥ रे मन मैत करै
हेत आवैत मजो तन मा रगरहे ॥२॥ सोरठा ॥ नींद करत
जग हेत मन आतम सोइ रत जव ॥ समझत क्यों न चे
चेत मित विचार न पर सबन की ॥३॥ तजत न कुटेव कु
रेज मार मरै न सिवै तजें ॥ आतम मे यो अरे तेज मति न
की तीनो करै ॥ दोहा ॥ केमत दरसन मठा नव सका मघस
र सुकत सधाम ॥ वासर गुन तिथ षष्टमी लेषक गंगा
राम ॥५॥ उकता अेक सरूपा न गुन हारत सज रूक वगाय
अव तल सी की माल को गाहक गुन जन रूप ॥६॥
संमत १९७३ जेठ कृ० प० तिथौ कल्ली बुधवार नंदकिसोर लिषा
नांममाला सारी को बीपुर

۱۸

دردہ جرف ... دردہ جرف ...

برادر ... [illegible] ... دردہ ...

بردار بنانو ... [illegible]

دردہ ... دردہ ...

دردہ فرد ...

بردار ... [illegible]

برای ... [illegible]

[illegible] ... دردہ ...

[illegible] ... برای گرانی

برادر ... [illegible]

دردہ ... [illegible]

برادر ... [illegible]

[illegible] ۱۲

۱۹

در وجه حرف رسول [illegible] جواز | بابت [illegible] حرف [illegible] ابتدای [illegible]

ابتدای [illegible] [illegible]

[illegible]

[illegible]

در وجه [illegible] | [illegible] | در وجه [illegible] | در وجه خرید [illegible]

[illegible] ۸ | [illegible] | [illegible] ۸

[illegible]

[illegible] | بابت [illegible] | در وجه [illegible]

[illegible]

در وجه [illegible] | در وجه [illegible] | در وجه [illegible] | در وجه [illegible]

[illegible] ماه | [illegible] | ۲ ماه [illegible]

[illegible]

[illegible] ۸

در وجه [illegible] | در وجه [illegible]

[illegible]

[illegible] | در وجه [illegible] ماه [illegible]

[illegible]

[illegible] | [illegible]

در وجه [illegible] | در وجه [illegible]

[illegible]

در وجه [illegible]
رام [illegible]

علاوه ... دوقالی ...
بابت ... بدو ...
۹۲ ...

20

...

عا
...

... باغ ...
... ۶۰ ...
... ۱۵ ...
...
...

بابت ...
تتمہ

...
...
...

از ...
...
...
...

طباعه

کمالیه

از خزانه سرکار دولا

بابت رسوم کمانگران

کتاب ... ماه ...

از انبداری ...